महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय) (A
Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

हिंदी विश्वविद्यालय में उर्दू-हिंदी साहित्य पर बैठक का आयोजन

जर्मनी के विश्वविद्यालय के अध्यापक होंगे शामिल

वर्धा दिनांक 5 अक्टूबर 2012 : महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 7 एवं 8 अक्टूबर को उर्दू-हिंदी साहित्यिक जगत के पुनरेकीकरण की एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया है। जिसमें जर्मनी के टुबेगन विश्वविद्यालय से दिव्यराज अमिया तथा डॉ. इबरहार्ड पिटज प्रमुखता से उपस्थित रहेंगे। विदित हो की पिछले दिनों महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय तथा टुबेगन विश्वविद्यालय जर्मनी के बीच हुए एमओयू के तहत टुबेगन विश्वविद्यालय से दिव्यराज एवं इबरहार्ड पिटज इस बैठक में शामिल हो रहे है। उनके अलावा हैदराबाद स्थित मौलाना आझाद नैशनल उर्दू विश्वविद्यालय के हुसैन अब्बास, दिल्ली से सत्येंद्र सिंह, करमेंदू शिशिर, किशन कालजयी, संजय जोशी, मखमुर सादरी भी इस बैठक में उपस्थित रहेंगे। इस बैठक में एक टाकिंग उर्दू के बोलते साहित्यिक अभिलेखागार के हिंदी/सम्भावनाओं के बारे में चर्चा होगी। विश्वविद्यालय के स्वामी सहजानंद सरस्वती संग्रहालय में 7 अक्टूबर को सुबह 11 बजे बैठक शुरू होगी जिसमें ओसीआर और टेक्स्ट से स्पीच वाली टेक्नोलोजी की संभावनाएं, डिजीटाईजेशन की नयी टेक्नोलाजी, ऑडियो-विजुअल तकनीक (साहित्यिक वीडियो), साहित्यिक सर्वेक्षण की संभावनाएं आदि के बारे में चर्चा की जाएगी। 8 अक्टूबर को विश्वविद्यालय में हिंदी शिक्षण हेतु जर्मनी और स्वित्ज़रलैंड से आने वाले छात्रों और शिक्षकों के आदान-प्रदान के बारे में चर्चा होगी। इस बैठक में विश्वविद्यालय के कुलपति विभूति नारायण राय, प्रतिकुलपति एवं विदेशी शिक्षण प्रकोष्ठ के प्रभारी प्रो. ए. अरविंदाक्षण, कुलसचिव डॉ. कैलाश खामरे, नाट्य एवं फिल्म अध्ययन विभाग के अध्यक्ष प्रो. सुरेश शर्मा, साहित्य विद्यापीठ के अधिष्ठाता प्रो. सूरज पालीवाल सहित अध्यापक एवं अधिकारी प्रमुखता से उपस्थित रहेंगे।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी